भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 582

जिसका उत्तर 25 जुलाई, 2024 को दिया जाना है।

.....

नदियों को आपस में जोड़ना

582. श्री रविंद्र दत्ताराम वाइकर:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा विगत दो वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों में कार्यान्वित की जा रही राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत जलाशयों, बांधों के नेटवर्क के माध्यम से देश भर में कितनी नदियों को आपस में जोड़ा गया है;

(ख) क्या सरकार ने उक्त नदियों की गहराई और चौड़ाई बढ़ाने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया है;

(ग) यदि हां, तो महाराष्ट्र सहित तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का विचार उक्त योजना के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए विभिन्न राज्यों से होकर बहने वाली नदियों पर नदियों के तटों पर सुरक्षा दीवार बनाने का है ताकि भविष्य में जान-माल की क्षति को रोका जा सके; और

(ङ) यदि हां, तो उक्त नदियों के आस-पास स्थित बस्तियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री राज भूषण चौधरी)

(क): अधिशेष जल वाले बेसिन से जल की कमी वाले बेसिनों में जल के अंतरबेसिन अंतरण और सूखा प्रवण और वर्षा-सिंचित क्षेत्रों में जल उपलब्धता में सुधार करने के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 1980 में तैयार की गई राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के अंतर्गत राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) को नदियों को परस्पर जोड़ने (आईएलआर) का कार्य सौंपा गया है। एनपीपी के अंतर्गत, कुल 30 संपर्क परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिनमें से प्रायद्वीपीय घटक के अंतर्गत 16 संपर्क परियोजनाएं और हिमालयी घटक के अंतर्गत 14 संपर्क परियोजनाएं हैं। एनपीपी के अंतर्गत पहचान की गई 30 संपर्क परियोजनाओं में से सभी 30 संपर्कों की व्यवहार्यता पूर्व रिपोर्टें (पीएफआर), 24 संपर्कों की व्यवहार्यता रिपोर्टें (एफआरएस) और 11 संपर्कों की विस्तृत परियोजना रिपोर्टें (डीपीआर) पूरी कर ली गई हैं। एनपीपी के अंतर्गत नदियों को परस्पर जोड़ने की परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति **अनुलग्नक** में दी गई है।

भारत सरकार ने नदियों को परस्पर जोड़ने संबंधी कार्यक्रम को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है। केन-बेतवा संपर्क परियोजना (केन-बेतवा लिंक परियोजना) एनपीपी के अंतर्गत पहली और एकमात्र ऐसी परियोजना है जो नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजना है और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयनाधीन है।

(ख) से (ग): डीपीआर तैयार करने के दौरान, नदियों को आपस में जोड़ने वाली परियोजनाओं के लिए विस्तृत सर्वेक्षण और अन्वेषण किए जाते हैं जिनमें स्थलाकृतिक, भूकंपीय, मृदा, मौसम विज्ञानी, जल विज्ञानीय, भूवैज्ञानिक और भू-तकनीकी सर्वेक्षण तथा सामाजिक-आर्थिक कारकों, जैविक, पारिस्थितिकीय

और भौतिक कारकों जैसे पर्यावरणीय प्रभाव पैरामीटरों का अध्ययन शामिल है। तथापि, इन अध्ययनों में नदियों के चैनल की गहराई और चौड़ाई बढ़ाने के लिए कोई सर्वेक्षण शामिल नहीं है।

(घ) से (ङ): बाढ़ प्रबंधन राज्यों के कार्यक्षेत्र में आता है और इसलिए बाढ़ नियंत्रण और जल निकासी परियोजनाओं की आयोजना, प्राथमिकता, तैयारी और कार्यान्वयन संबंधित और कार्य राज्य सरकारों द्वारा उनके स्वयं के संसाधनों से किया जाता है। भारत सरकार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बाढ़ प्रबंधन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करके और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों के प्रयासों को संपूरित करती है।

*****

अनुलग्नक

"नदियों को आपस में जोड़ने" के संबंध में दिनांक 25.07.2024 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 582 के संबंध में भाग (क) के उत्तर में संदर्भित संलग्नक।

एनपीपी के अंतर्गत नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति

हिमालयन घटक

क्र.सं.	लिंक का नाम	देश/राज्यों को लाभ हुआ	स्थिति
1.	कोसी-मेची लिंक	बिहार और नेपाल	पीएफआर पूरी की गई
2.	कोसी-घाघरा लिंक	बिहार और उत्तर प्रदेश (यूपी) और नेपाल	एफआर पूरी की गई
3.	गंडक-गंगा लिंक	उत्तर प्रदेश और नेपाल	एफआर पूरी की गई
4.	घाघरा-यमुना लिंक	उत्तर प्रदेश और नेपाल	मसौदा एफआर पूरी की गई
5.	सारदा-यमुना लिंक	उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	एफआर पूरी की गई
6.	यमुना-राजस्थान लिंक	हरियाणा और राजस्थान	एफआर पूरी की गई
7.	राजस्थान-साबरमती लिंक	राजस्थान और गुजरात	एफआर पूरी की गई
8.	चुनार-सोन बैराज लिंक	बिहार और उत्तर प्रदेश	मसौदा एफआर पूरी की गई
9.	सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ	बिहार और झारखंड	मसौदा एफआर पूरी की गई
10.	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	एफआर पूरी की गई
11.	जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	असम, प.बंगाल, और बिहार	पीएफआर पूरी की गई है (प्रस्ताव छोड़ दिया गया है)
12.	फरक्का-सुंदरबन लिंक	प.बंगाल	एफआर पूरी की गई
13.	जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी) का विकल्प)	प.बंगाल, उडीसा और झारखंड	एफआर पूरी की गई
14.	सुवर्णरेखा-महानदी लिंक	प.बंगाल और उडीसा	एफआर पूरी की गई

प्रायद्वीपीय घटक

क्र.सं.	**संपर्क का नाम**	**लाभान्वित देश/राज्य**	**स्थिति**
1	क. महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दोलाईस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश और ओडिशा	एफआर पूरी की गई
	ख.वैकल्पिक महानदी (बरमूल) - रुशिकुल्या - गोदावरी (दौलाईस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश और ओडिशा	एफआर पूरी की गई
2	गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक	आंघ्र प्रदेश	एफआर पूरी की गई
3	क. गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) संपर्क	तेलंगाना	एफआर पूरी की गई
	ख. वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक	तेलंगाना	डीपीआर पूरी की गई

4	गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलिचिंताला) लिंक	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूरी की गई
5	क) कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमशिला) संपर्क	आंघ्र प्रदेश	डीपीआर पूरी की गई
	ख) वैकल्पिक कृष्ण (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमशिला) लिंक *	आंघ्र प्रदेश	डीपीआर पूरी की गई
6	कृष्णा (श्रीशैलम) – पेन्नार लिंक	आंघ्र प्रदेश	मसौदा डीपीआर पूरी की गई
7	कृष्णा (अलमट्टी) - पेन्नार लिंक	आंघ्र प्रदेश और कर्नाटक	मसौदा डीपीआर पूरी की गई
8	क) पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक	आंघ्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी	एफआर पूरी की गई
	ख) वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक *	आंघ्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी	डीपीआर पूरी की गई
9	कावेरी (कट्टालाई)-वैगई-गुंडर संपर्क	तमिलनाडु	डीपीआर पूरी की गई
10	क. पार्बती - कालीसिंध - चंबल लिंक	मध्य प्रदेश और राजस्थान	एफआर पूरी की गई
	ख) संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ विधिवत एकीकृत)	मध्य प्रदेश और राजस्थान	मसौदा डीपीआर पूरी की गई
11	दमनगंगा-पिंजाल लिंक	महाराष्ट्र (मुंबई को केवल पानी की आपूर्ति)	
12	पार-तापी-नर्मदा लिंक	गुजरात और महाराष्ट्र मध्य प्रदेश और राजस्थान महाराष्ट्र (मुंबई को केवल पानी की आपूर्ति) गुजरात और महाराष्ट्र	डीपीआर पूरी की गई
13	केन-बेतवा लिंक	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश	डीपीआर पूरा हो गया है और परियोजना कार्यान्वयनाधीन है।
14	पंबा - अचनकोविल - वैप्पार लिंक	तमिलनाडु और केरल	एफआर पूरी की गई
15	बेदती - वरदा लिंक	कर्नाटक	डीपीआर पूरा हो गया है
16	नेत्रवती-हेमवती लिंक**	कर्नाटक	पीएफआर पूरा हो गया है

* मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर लंबित सहमति के कारण गोदावरी नदी के अप्रयुक्त जल को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया था और गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रेंड एनीकट) संपर्क परियोजनाओं की डीपीआर पूरी कर ली गई थी। गोदावरी-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) संपर्क परियोजना तैयार की गई है जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) संपर्क परियोजनाएं शामिल हैं।

** आगे के अध्ययन नहीं किए गए हैं क्योंकि कर्नाटक सरकार द्वारा येतिनहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद, इस लिंक के माध्यम से डायवर्जन के लिए नेत्रावती बेसिन में कोई अधिशेष पानी उपलब्ध नहीं है।

*****